आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
शुक्रवार 21.08.2026
समय 1830

मुख्य समाचार :–

- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देहरादून में उद्यमशाला चौपाल का शुभारंभ किया। आईटी पार्क स्थित 13 गांव में स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों के लिए राज्य स्तरीय विपणन केंद्र खोलने की घोषणा की।
- उत्तराखंड में विशेष गहन पुनरीक्षण के दावे और आपत्तियों के निस्तारण की निगरानी के लिए नौ आईएएस/पीसीएस अधिकारियों को पर्यवेक्षण अधिकारी नियुक्त किया गया।
- राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने लोक मिलन कार्यक्रम में पूर्व सैनिकों, आश्रितों और नागरिकों की समस्याएं सुनीं। अधिकारियों को समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए।
- पौड़ी जिले में सीता सर्किट के समग्र विकास की कवायद तेज। पहले चरण के लिए 78 लाख रुपये मंजूर।

मुख्यमंत्री उद्यमशाला चौपाल

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज देहरादून में 'मुख्यमंत्री उद्यमशाला योजना के तहत चौपाल का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने आईटी पार्क स्थित 13 गांव में प्रदेश के सभी जिलों के स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों के लिए राज्य स्तरीय विपणन केंद्र खोलने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य युवाओं, महिलाओं और किसानों को स्वरोजगार से जोड़कर ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत करना और पलायन रोकना है। उन्होंने कहा कि ''मुख्यमंत्री उद्यमशाला योजना'' के माध्यम से अब तक प्रदेश में 13 हजार से अधिक उद्यमियों को सहयोग दिया जा चुका है। साथ ही 8 हजार से अधिक महिला उद्यमियों और स्वयं सहायता समूहों की सदस्यों को उद्यमिता और आजीविका के अवसरों से जोड़ा गया है।
कार्यक्रम में लखपति दीदियों और महिला उद्यमियों को सम्मानित किया गया।

चौपाल/चम्पावत

वहीं, अल्मोड़ा में आयोजित चौपाल में महिला सशक्तीकरण एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्या ने युवाओं और मातृशक्ति को स्वरोजगार और उद्यमिता से जोड़ने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक गतिविधियों से जोड़कर उन्हें स्वावलंबी बनाना है।
चम्पावत में आयोजित चौपाल कार्यक्रम में सहायक परियोजना अधिकारी विम्मी जोशी ने बताया कि योजना के प्रचार–प्रसार के लिए आज जागरूकता वाहन को रवाना किया गया है।
टिहरी, उत्तरकाशी, ऊधमसिंह नगर और बागेश्वर में भी चौपालों का आयोजन किया गया।

विशेष गहन पुनरीक्षण

उत्तराखंड में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत दावे और आपत्तियों के निस्तारण की निगरानी के लिए मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. बीवीआरसी पुरुषोत्तम ने नौ आईएएस और पीसीएस अधिकारियों को पर्यवेक्षण अधिकारी नियुक्त किया है। ये अधिकारी संबंधित विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में मतदाता सूची से जुड़े दावों व आपत्तियों, नोटिस वितरण, तामीली और सुनवाई की प्रक्रिया की निगरानी करेंगे। अधिकारियों को अपनी दैनिक निरीक्षण की रिपोर्ट सप्ताह में दो बार मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय को भेजनी होगी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी की ओर से जारी यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है।

लोक मिलन कार्यक्रम

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने आज लोक भवन में आयोजित लोक मिलन कार्यक्रम में पूर्व सैनिकों, उनके आश्रितों और दूर–दराज क्षेत्रों से आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। उत्तरकाशी, अल्मोड़ा, टिहरी, पौड़ी, हरिद्वार और देहरादून से आए 14 लोगों ने भूमि, रोजगार और ग्राम विकास से जुड़े मामले राज्यपाल के समक्ष रखे। राज्यपाल ने अधिकारियों को जनसमस्याओं का नियमानुसार और निर्धारित समय सीमा में निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित जिलाधिकारियों और विभागीय अधिकारियों को प्रकरण भेजकर उनके समाधान की नियमित निगरानी के भी निर्देश दिए।

सीता सर्किट बैठक

पौड़ी जिले में मुख्यमंत्री घोषणा के तहत सीता सर्किट के समग्र विकास की कार्यवाही तेज कर दी गई है। जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया ने आज संबंधित अधिकारियों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों और हितधारकों के साथ बैठक कर सीता सर्किट के सुनियोजित विकास को लेकर समीक्षा की। बैठक में सर्किट के पहले चरण के लिए 78 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को धार्मिक स्थलों की पौराणिक और ऐतिहासिक कथाओं को प्रमाणिक और आकर्षक ढंग से प्रदर्शित करने तथा प्राकृतिक व आध्यात्मिक वातावरण के अनुरूप विकास सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सफाई व्यवस्था

अल्मोड़ा नगर निगम ने शहर की स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए आधुनिक जेटिंग वाहन का संचालन शुरू किया है। इससे संकरी और गहरी नालियों में जमा कचरे और सिल्ट को प्रैशर तकनीक से तेजी से साफ किया जा सकेगा। सार्वजनिक शौचालयों की सफाई, ब्लॉकेज हटाने और बारिश के दौरान चोक नालियों को खोलने में भी यह वाहन उपयोगी होगा। मेयर अजय वर्मा ने कहा कि आधुनिक मशीनों के संचालन से शहर की स्वच्छता व्यवस्था मजबूत होगी और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी।

जनगणना

चमोली जिले में जनगणना–2027 के तहत हिमाच्छादित और दुर्गम राजस्व गांवों में दूसरे चरण की प्रक्रिया शुरू हो गई है। जिले की दो तहसीलों– ज्योतिर्मठ और चमोली के 25 हिमाच्छादित गांवों के नागरिक 31 अगस्त तक ऑनलाइन स्व–गणना कर सकते हैं। इसके बाद एक से 30 सितंबर तक 25 प्रगणक और सात सुपरवाइजर घर–घर जाकर मैपिंग व जनगणना का कार्य करेंगे। नागरिक se-snowbound.census.gov.in पोर्टल पर करीब 40 प्रश्नों की जानकारी दर्ज कर स्व–गणना पूरी कर सकते हैं। प्रक्रिया पूरी होने के बाद प्राप्त कोड सुरक्षित रखना होगा, जिसे प्रगणक के घर पहुंचने पर उपलब्ध कराया जा सकता है। जिलाधिकारी गौरव कुमार ने दुर्गम क्षेत्रों के नागरिकों से निर्धारित अवधि में स्व–गणना पूरी कर जनगणना–2027 में सक्रिय सहभागिता निभाने की अपील की है।